/font>

Title: Need to provide compensation to the farmers of Nagpur District, Maharashtra for the loss of their crops due to heavy rain and hailstrom.

श्री सुबोध मोहिते (रामटेक) : महोदय, आपने मुझे अपनी बात कहने के लिए मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

महोदय, मैं विदर्भ के एक लीडिंग पेपर की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं। पिछले चार दिनों से विदर्भ में तूफानी बारिश और ओलावृटि के कारण किसानों की स्थिति बहुत खराब है। न उनके सिर पर छत हैं और न पैर के नीचे जमीन है। जैसी कि अखबारों में रिपोर्ट है, इस तूफानी बारिश और ओलावृटि के कारण सैकड़ों किसान घायल हो चुके हैं और करोड़ों की फसल बर्बादे हो चुकी है। जो किसान मर गए हैं, उनको अभी तक दफनाया भी नहीं गया है। आज छठा दिन है, लेकिन महाराट्र सरकार की तरफ से किसी प्रकार की कोई राहत नहीं दी गई है। जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। â€¦ (व्यवधान) जैसा श्री रामदास आठवले जी कह रहे थे कि वहां पालक मंत्री होकर आए हैं, मैं उनको बताना चाहता हूं कि नागपुर के लिए महाराट्र सरकार अभी तक कोई पालक मंत्री तय नहीं कर पाई है। यह हमारा दुर्भाग्य है। मेरा केन्द्रीय सरकार से निवेदन है, महाराट्र सरकार की तरफ से मदद तो बाद में जाएगी, लेकिन केन्द्रीय् सरकार की ओर से एक स्पेशल पैकेज विदर्भ के लिए 300 करोड़ रुपए का दिया जाना चाहिए।

कल कृाि मंत्री यहां थे। उन्होंने बताया कि जब सदन में कृाि पर चर्चा होगी तब इसके बारे में सोचेंगे। यह संतरे का पीक समय है। पहले 900 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था लेकिन आज तक केन्द्र सरकार की तरफ से उसकी भरपाई के लिए कोई मदद नहीं की गई। यदि इस बार भी केन्द्र सरकार मदद नहीं करेगी तो किसानों को बहुत नुकसान होगा। मुझे लगता है कि केन्द्र सरकार की तरफ से इसमें सहायता की जा सकती है।